

EXTRAORDINARY

भाग 🎞 --- खण्ड ३ --- उप-खण्ड (🗓)

PART II—Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

+(a) 93

सं• 97]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 11, 1998/माघ 22, 1919 NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 11, 1998/MAGHA 22, 1919

No. 97]

विस मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी वाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1998

का. आ. 125(अ).— भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजन के लिए प्रतिभृति के रूप में कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के तहत निगमित कम्पनी भारतीय औद्योगिक ऋण और निधेश निगम लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए गए एक हजार करोड़ रुपये के कुल मूल्य के प्रत्येक एक लाख रुपये के डिबेंचर के रूप में अप्रतिभृत मोचनीय बांड प्राधिकृत करती है।

[एफ. सं. 6/20/सी. एम./97]

यू. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th February, 1998

S.O. 125 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), Central Government hereby authorises the Unsecured Redeemable Bonds in the nature of Debentures of Rs. one lake each of the aggregate value of Rupees one thousand crores issued by Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Mumbai, a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/20/CM/97]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.

405 GI/98